

जितेन्द्र कुमार बनाम मंजू देवी वर्मा

घायालय :- NCM-55

संख्या:- 50/2020

दोवा

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>गुर्जर द्वारा वकालतनामा पेश किया जो शामिल पत्रावली किया गया। वकील पक्षकारान द्वारा राजीनामा पेश किया गया जो बाद तस्दीक शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली वास्ते वदस दि. 18/11/20 को पेश हो।</p>	
<p>18/11/20</p>	<p>वकील पक्षकारान उपेन वदस करना जाहिर किया। वदस सुनी गई। भारत आदेश दि. 02/12/20 को पेश हो।</p>	<p>सहायक क्लर्क (फास्ट ट्रेक) दू</p>
<p>02/12/20</p>	<p>वकील पक्षकारान उपेन आदेश सुनीया गया। वादी का बाद डिली किया जाता है विस्तृत निर्णय प्रथक से लिखा जाकर शामिल पत्रावली किया गया। फर्चा डिली जारी हो। पत्रावली फासल शुमार होकर नम्बर से कम हो।</p>	<p>सहायक क्लर्क (फास्ट ट्रेक) दू</p>

न्यायालय सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक) दूदू जिला जयपुर
पीठासीन अधिकारी- श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत आर.ए.एस

राजस्व वाद-पत्र संख्या : 50/2020

रज्जु दिनांक : 22/07/2020

निर्णय दिनांक : 02/12/2020

जितेन्द्र कुमार गौड पुत्र भरतलाल शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी गंगातीकलां तहसील
मौजमाबाद जिला जयपुर राज0

—वादी

बनाम

1. मंजु देवी धर्मपत्नी भरतलाल, जाति ब्राह्मण निवासी गंगातीकलां तहसील
मौजमाबाद जिला जयपुर राज0
2. शाखा प्रबंधक, दी सेन्ट्रल कोपरेटीव बैंक लि0 शाखा दूदू जिला जयपुर राज0।
3. तहसीलदार तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर राज0।

— प्रतिवादीगण

वाद घोषणात्मक खातेदारी व स्थायी निषेधाज्ञा

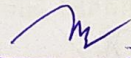
उपस्थिति - श्री भैरूलाल शर्मा
विद्वान अधिवक्ता वादी

श्री छोटुलाल गुर्जर
विद्वान अधिवक्ता प्रतिवादीनी संख्या 1
प्रतिवादी संख्या 2 फोरमल पक्षकार हैं।
प्रतिवादी संख्या 3 की ओर से पैराकार उपस्थिति।

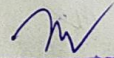
निर्णय दिनांक 02/12/2020

—: निर्णय :-

संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि वादी ने एक वाद विरुद्ध प्रतिवादीगण बाबत घोषणा खातेदारी एवं स्थायी निषेधाज्ञा इस आशय का पेश किया कि जमाबन्दी संवत् 2074 से 2077 के खाता संख्या 130 की आराजी खसरा नम्बर 1139 रकबा 0.80 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 22 रकबा 0.20 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 23 रकबा 0.13 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 279/1246 रकबा 0.25 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 280 रकबा 0.72 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 52 रकबा 0.31 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 53/1243

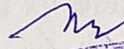

सहायक कलेक्टर
(फास्ट ट्रेक) दूदू

रकबा 0.12 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 593 रकबा 0.30 हैक्टेयर कुल किता 8 कुल रकबा 2.83 हैक्टेयर व खाता संख्या 114 के आराजी खसरा नम्बर 51 रकबा 0.19 हैक्टेयर तथा खाता संख्या 52 के आराजी खसरा नम्बर 40 रकबा 0.12 हैक्टेयर भूमि वाके ग्राम गंगातीकलां तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर में स्थित है, जिसकी खातेदारी अन्य खातेदारान के साथ प्रतिवादी संख्या 1 के नाम खाता संख्या 130 में हिस्सा में हिस्सा 1/2, खाता संख्या 114 में हिस्सा 1/12 व खाता संख्या 52 में हिस्सा 1/6 मे राजस्व रिकार्ड में दर्ज इन्द्राज है। जो कि गलत है। मुताबिक अनुतोष खातेदारी दर्ज कि जानी चाहीये थी। हाल खसरा नम्बर 40, 1139, 22, 23, 279/1246, 280, 52, 53/1243, 593 व 91 के साबिक खसरा नम्बर 269, 1140, 519/3, 520, 397/2, 395/3/2, 267/1/3, 501/3, 266 वाके ग्राम गंगातीकलां से कायम किये गये है, जो मिलाल क्षेत्रफल से प्रमाणित है। विवादित भूमि वादी के दत्तक पिता श्री भरतलाल पुत्र बजरंगलाल के नाम से दर्ज खातेदारी रही है। वादी के दत्तक पिता का स्वर्गवास हो चुका है, जिसकी विरासत का नामान्तकरण संख्या 220 दिनाक 17.05.1985 के द्वारा जरिये विरासतन प्रतिवादी संख्या 01 के हक में दर्ज कि गयी है, जो गलत है। चुंकि वादी नाबालिग अवस्था में ही प्रतिवादी संख्या 1 के गोद जाकर प्रतिवादी संख्या 1 व भरतलाल का दत्तक पुत्र सामाजिक रीति रिवाज अनुरूप समाज द्वारा घोषित किया जाकर अपने प्राकृतिक माता-पिता से प्राप्त समस्त अधिकार छोडकर दत्तक माता-पिता क समस्त सामाजिक, विधिक व कानूनी अधिकार प्राप्त कर लिये थे तथा तत्समय ही वादी को प्रतिवादी संख्या 1 द्वारा गोद पुत्र घोषित कर सामाजिक रीति अनुरूप गोद-संस्कार कर, गिवन एण्ड टेकिंग सेरेमनी संपादित कर, नारियल-पतासे बांटकर, ढोल बजाकर, दत्तक पुत्र घोषित कर दिया था। तब से वाद अपने शैक्षणिक दस्तावेजात में माता की जगह प्रतिवादी संख्या 01 का नाम तथा पिता की जगह भरतलाल को नाम दर्ज करवाकर समस्त शैक्षणिक दस्तावेजात यथा राशनकार्ड, आधारकार्ड, परिचय पत्र, पेन कार्ड, सर्विस बुक आदि में दर्ज करवाकर आज भी प्रतिवादी संख्या 01 के साथ पैतृक मकान में सामलाती में निवास कर रहे है। हाल ही प्रतिवादी संख्या 1 द्वारा वादी के हक में गोदनामा उपपंजियक कार्यालय मौजमाबाद में पंजिबद्ध करवाया जा चुका है। इस प्रकार वादी विधिक रूप से भरतलाल व प्रतिवादी संख्या 1 का विधिक वारिस एवं उत्तराधिकारी है तथा हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत प्रथम पे-डिक्री का वारिस एवं उत्तराधिकारी होने से अपने समस्त हक-हकूक व खातेदारी अधिकार प्राप्त करने का अधिकारी है। मौके पर


 सहायक कलक्टर
 (खसरा वक) धुव

वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 बराबर-बराबर हिस्सा अनुरूप सामालाती में काबिज काशत है तथा प्रतिवादी संख्या 1 के नाम दर्ज आराजीयात खाता संख्या 130 हिस्सा 1/2 में से वादी हिस्सा 1/4 तथा प्रतिवादी संख्या 1 हिस्सा 1/4 खाता संख्या 52 में दर्ज हिस्सा 1/6 में से वादी हिस्सा 1/12 व प्रतिवादी संख्या 1 हिस्सा 1/12 तथा खाता संख्या 114 में दर्ज हिस्सा 1/12 में से वादी 1/24 व प्रतिवादी संख्या 1 हिस्सा 1/24 अनुरूप काबिजकाशत है तथा इसी अनुसार घोषणा खातेदारी प्राप्त करने के अधिकारी है। इस प्रकार विवादित भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 की अविभाजित पैतृक संपत्ति है तथा मौके पर काबिजकाशत है तथा पैतृक भूमि संपूर्ण को बैचान करने का प्रतिवादी संख्या 1 को कोई विधिक अधिकार प्राप्त नहीं है। परन्तु प्रतिवादी संख्या 1 दिगर व्यक्तियों के बहकावे में आकर उक्त भूमि को बैचान करना चाहती है जिसका उसे कोई विधिक अधिकार प्राप्त नहीं है। वादी अपने हक की घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा का अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी है। दिनांक 16.07.2020 का वाका है कि प्रतिवादी संख्या 1 ने वादी को धमकि दी की वाद पत्र के मद संख्या 1 में वर्णित भूमि संपूर्ण मुताबिक हिस्सा दर्ज रिकार्ड है व प्रतिवादी संख्या 1 के नाम है तथा समस्त भूमि का बैचान कर वादी को उसके पैतृक हक से महरूम कर कब्जे से बैदखल करेगी। इसलिये आवश्यक हो गया है कि वादी माननीय न्यायालय से अनुतोष प्राप्त कर लेवें तदानुरूप वाद प्रस्तुत है।

वादी ने वाद के अन्य बिन्दुओं के साथ-साथ वाद कारण अंकित करते हुये दादरसी चाही कि वादी का वाद बाबत घोषणा खातेदारी बहक वादी विरुद्ध प्रतिवादी संख्या 1 डिक्री फरमाया जाकर घोषणा खातेदारी इस कदर फरमाई जावे कि वाद पत्र के मद संख्या 1 में वर्णित आराजीयात खाता संख्या 130 के आराजी खसरा नम्बर 1139 रकबा 0.80 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 22 रकबा 0.20 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 23 रकबा 0.13 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 279/1246 रकबा 0.25 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 280 रकबा 0.72 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 52 रकबा 0.31 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 53/1243 रकबा 0.12 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 593 रकबा 0.30 हैक्टेयर कुल किता 8 कुल रकबा 2.83 हैक्टेयर में दर्ज खातेदारी प्रतिवादी संख्या 1 हिस्सा 1/2 को हजफ कर वादी को हिस्सा 1/4 व प्रतिवादी संख्या 1 को हिस्सा 1/4 व खाता संख्या 114 के आराजी खसरा नम्बर 51 रकबा 0.19 हैक्टेयर दर्ज खातेदारी प्रतिवादी संख्या 1 का हिस्सा 1/12 को हजफ कर वादी को हिस्सा 1/24 व प्रतिवादी संख्या 1 को हिस्सा 1/24 तथा खाता संख्या 52 के आराजी खसरा नम्बर 40 रकबा 0.12 हैक्टेयर में दर्ज


सहायक कलक्टर
(आराजी खसरा)

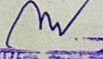
खातेदारी प्रतिवादी संख्या 1 हिस्सा 1/6 को हजफ कर वादी को हिस्सा 1/12 व प्रतिवादी संख्या 1 को हिस्सा 1/12 भूमि वाके ग्राम गंगातीकला तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर का खातेदार काशतकार घोषित फरमाया जावें। डिकि कायम की जावे एवं डिकी की पालनार्थ तहसीलदार मौजमाबाद को लिखा जावें। वादी का वाद बाबत स्थायी निवैधाज्ञा इस कदर डिकी फरमायी जावे की अनुतोष के मद संख्या 1 में अंकित आराजीयात से वादी के कब्जेकाशत की भूमि पर जबरिया कब्जा नही करें, न ही वादे का कब्जे से बेदखल करे, न ही तारबंदी करे तथा न स्वयं करे न नौकर चाकर ऐजेन्ट आदि से करावें, सब पाबंद रहे।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर तलबी प्रतिवादीगण जारी की गयी। दिनांक 05/11/2020 को प्रतिवादीनी संख्या 1 की ओर से श्री छोटुलाल गुर्जर एडवोकेट ने वकालतनामा पेश किया। वादी एवं प्रतिवादीनी संख्या 1 ने उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया। बाद जांच राजीनामा तस्दीक किया जाकर शामिल पत्रावली किया गया। वकील पक्षकारान द्वारा साक्ष्य पेश न कर सीधी बहस करना जाहिर किया।

विद्वान अधिवक्ता पक्षकारान की बहस सुनी गयी।

हमने विद्वान अधिवक्ता पक्षकारान की बहस का ध्यानपूर्वक मनन किया। पत्रावली का गहनता से अवलोकन किया। वादी द्वारा प्रस्तुत वाद-पत्र, दस्तावेजात नकल जमाबन्दी सम्वत 2074-2077 के खाता संख्या 130, 114, 52 ग्राम गंगातीकला, तह. मौजमाबाद, फोटो प्रति गोद पत्र आधारकार्ड जितेन्द्र, मन्जूदेवी, राशनकार्ड, अंकतालिका तथा प्रतिवादीनी संख्या 1 द्वारा प्रस्तुत राजीनामा का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। अवलोकन से स्थिति इस प्रकार पायी गयी कि वादी ने अपने वाद-पत्र में यह अंकित किया है कि "वादी स्व० भरतलाल का दत्तक पुत्र है एवं भरतलाल ने अपने जीवनकाल में ही गोद ले लिया था तथा भरतलाल की समस्त सेवा सुश्रुषा वादी द्वारा ही की गयी थी। प्रतिवादीनी संख्या 1 भरतलाल की पत्नी एवं वादीनी की दत्तक माता है, जिसने अकेले अपने नाम से आराजी दर्ज करवा ली, जबकि वादी के नाम भी लगनी चाहिये थी अब वादी द्वारा अपने नाम आराजी दर्ज करवाने हेतु यह वाद-पत्र पेश किया है।"

इस सम्बन्ध में वादी द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड गोदनामा से यह साबित है कि वादी स्व० भरतलाल का दत्तक पुत्र हैं, उक्त गोदनामा उपपंजीयक मौजमाबाद के यंहा रजिस्टर्ड है, जो कि एक पंजीकृत एवं वैद्य दस्तावेज हैं। जिससे यह पाया जाता है कि वादी स्व० भरतलाल का दत्तक पुत्र हैं इसके अलावा वादी द्वारा प्रस्तुत राशनकार्ड


 सहायक क्लर्क
 (आर. डी. ए. ए.)

में भी वादी का नाम प्रतिवादीनी संख्या 1 के पुत्र के रूप में दर्ज है एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत आधारकार्ड, अंकतालिका आदि में वादी की वल्लिदयत दत्तक पिता भरतलाल की ही दर्ज है, जिससे उपर्युक्त विवेचन से यह पाया जाता है कि वादी स्व० भरतलाल का दत्तक पुत्र है एवं कानूनन उसके भी प्रतिवादीनी संख्या 1 के साथ-साथ वादी के हक में भी विरासत का नामान्तरकरण बराबर हिस्से अनुसार खुलना चाहिये था। वादी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य गवाहान से भी वादी के वाद की ताईद होती हैं। इस प्रकार उपर्युक्त विवेचन से उपरान्त वादी का वाद डिक्री किया जाना उचित प्रतीत होता हैं।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर विवादित आराजी खाता संख्या 130 की आराजी खसरा नम्बर 1139 रकबा 0.80 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 22 रकबा 0.20 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 23 रकबा 0.13 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 279/1246 रकबा 0.25 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 280 रकबा 0.72 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 52 रकबा 0.31 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 53/1243 रकबा 0.12 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 593 रकबा 0.30 हैक्टेयर कुल किता 8 कुल रकबा 2.83 हैक्टेयर व खाता संख्या 114 के आराजी खसरा नम्बर 51 रकबा 0.19 हैक्टेयर तथा खाता संख्या 52 के आराजी खसरा नम्बर 40 रकबा 0.12 हैक्टेयर भूमि वाके ग्राम गंगातीकलां तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर में स्थित है, जिसमें प्रतिवादी संख्या 1 के दर्ज हिस्से में वादी को 1/2 हिस्से का एवं प्रतिवादीनी संख्या 1 को 1/2 हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता हैं। पर्चा डिक्री जारी हो। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय आज दिनांक 02/12/2020 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



सहायक कलेक्टर (फ़ास्ट ट्रेक)
दूद जिला जयपुर संक्र०।

सहायक कलेक्टर
(फ़ास्ट ट्रेक) दूद

